

॥ श्रीजीकमचा ॥ प्र ॥ ५ ॥

① श्रीगणेशाय नमः ॥ राव । धावोनी कीजरा ॥ तेजोपटवीस्र
घरा ॥ तव बेसली होली सुंदरा ॥ तीये पुढे टेवी ला ॥ वे ॥
तेहणे सेवकासी ॥ कोणी पायी वीले रावीयासी ॥ १३
लुप्तणे येळक मविद्यासी ॥ राव तेवी कतधेतला ॥ १४
वाईको जाली जानें हरा ॥ हासली रवद रवही
ला ॥ धावोनी जारली घुरीत ॥ वोवाळली जाली ॥ १५
हावनी भरि बाळा ॥ जेरी काम धेनु वहाळी ॥ की
चकोर सुयमिं उळाळा ॥ पुढे काळी ॥ १६ ॥ वीचा

लक प्रजन्य दृष्टी॥ संतोष पावो नीपोटी॥ मुरचपस
सनीयेगुटी॥ आरान करी ता होय॥ ६॥ सुणे थोर भ्रा
ग्या चागुदयो॥ जे साद्रे पदी कारणे करुण देवो॥ ते सा
मज भेट लासी॥ ६॥ हे सीर लुली करु लागली पुरा
वा सुणे वारि आसे गुली॥ पुढे काय करीली जाली॥ १॥
ते परी साओ ते न हो॥ ७॥ समोर ग्रहा भीतरी॥ रह
ज जीत चवर्ग॥ वसी॥ जेथे मांजूर गुलाब करी॥
हे से गुंचटे कीले॥ ८॥ बोला नीद सोरी॥ याच
न दीधले तये पारसी॥ अंधारि राडे कणो यासी॥
आधी पाये पोष्ट कावो॥ ९॥ आपो राक आप
वीली मोटे ची॥ आरुना ते ल प्रमाण ची॥ घे गुनी
येई जाय पा॥ १०॥ ओरु हे जीर्ण वस्त्र॥ नही हुन
आणी लेप वी॥ ते देवो नीवी क्रमाही ले॥ आ
ही जखर जा ले से॥ ११॥ बारी कोरी मजेची
क्रम शेन॥ प्रती ही निही सी अंभ॥ ते सुणे अप्प
प्रमाण॥ गृह त्यानी ची॥ १२॥ आष्ट भोग घरी
आसली॥ परी सी भोग घ्याची न के प्राप्ती॥
जरी सरे भोग मली॥ तो परी हेरे ची॥ १३॥ कणी

3 य। आणी गंगा मृत।। त्यासी दु सरानाही पदाथ।।
 जरीया का हा चापु रता आसे लळां त।। तरी तु
 2॥ इ। प्रसद।। १४॥ ले। सणे मा। से वचन हे कावे।। या
 वने का ले सड वाये।। कण की लां द जा ले काटाये।।
 २॥ जे आली गुलमरी।। येरी भुने वा जीयासी।। क्रोध २॥
 ये र लि त्यासी।। मग सांगु कथणा सी मज वरी के।।
 प ती ला।। १६॥ स वा सणे न करी सी ला।। मी चारी न
 क्रोध ये ला।। पाक करी नी स ला।। आ ली गुलमरा
 पु र ररा १७॥ ऐ को वी न या जी मा ला।। सड करी जा

3A श्री वीर कभ चरी त्र प्रा। १५
 व रत्रे फेडुनी तरी ला।। रान के ले पा ही जे।। २६॥
 द रायंत सणे ये वडे स काय।। सु धा ना ही जे सा
 यं का ली।। राघो सणे सारी जे व्याधी।। मज सु
 दा ला गती आ से।। २७॥ वो छ।। नु नि ना पी का सो।।
 परी मळ ले ल म ला पा सी।। मरत की द रा वे ता सी।।
 म द वि या पे दी ध ले।। २८॥ ले पा हे र वा ल वरी।।
 क्रोध भर ला आ से र।। री।। १७॥ उ न व च न का
 ही न करी।। व रत्र मं गे प ड द पी सी।। २९॥ प दी

मृणजेनेसलाआससीलेचीकरीपडणी
सी॥ मारपेमुणीकलेवचनासी॥ आचरतजावे॥

३०॥ जालीचाफेळमईना॥ गृहकसारीलेस्ना
ना॥ जबकबैसोनीआपणा॥ गृहकद्यालवी॥ ३१॥

३२॥ आणीकआसेसीलकजीवन॥ मृणजेकरावेआ
चमन॥ वाकलआसेललेणेजंरापुरणे॥ ३३॥

रौहकनेसावा॥ ३४॥ पाटद्याललाचंदनाचा॥

बैसोनीशालावीलापरीमकाचा॥ विंकार
सारोनीरंधेचा॥ देवताजनि सारीले॥ ३५॥

आत्रगंधपुस्पधुपावाचीवोवाहुनकरीनै

वेदपुस्तमपीवागवोनीयामंतुपुरेप॥ करीगुपा

सनवैश्वदेवा॥ ३६॥ मंगसाडोनीयावकीहारण॥

चरणप्रदालुनीकरीआचमन॥ स्मरतवी

सर्जनवचन॥ ग्रहाकआला॥ ३७॥ सुवर्णपिी

येतादी॥ रागुरसेवादीवरवदी॥ वेगळाकी

गरकीवारी॥ द्रुतआणीपयोधर॥ ३८॥

मंगसारीलेचीशुगुप्त॥ त्यापरीसारीलेप्रा

णा॥ हुल॥ आरोग्याकरीपतीसमेवत॥ जे

ज्यासीरुचे ॥ ३७ ॥ हे सजा ले जो जग ॥ पुपरी
 उंच व ले सक व जण ॥ एधा त ले होते बैसणे ॥
 (५) लेथे बैस कार जाला ॥ ३८ ॥ आली वीरलीण
 जमरवा नीयासी ॥ वरी चीत्र नीचीत्र तीवा
 ॥ सी ॥ (तेडे टाफी लीचे को नासी ॥ टेका वया ॥ ३९ ॥
 कारणे ॥ ३९ ॥ बैसो नी लावी ती चंदन ॥ बुका
 करतुरी जवा दी ॥ धवणा ॥ गकाहार सुमने ॥ ये
 का सी ये कधा ॥ लनीया ॥ ४० ॥ दोती कपुरवा
 डे ॥ लवंग ॥ आणी ये घ होडे ॥ वी जणे जाणे वीती

गाडे ॥ सेयक जमने ॥ ४१ ॥ राघुसणे वारिको ॥ वरी गा
 वी कर्मसी ॥ तुमी जे वीजे वरीसी ॥ हे स ॥ कोनी वचन
 सी जे वी ती जाली ॥ ४२ ॥ लये दश वत गेला
 वाहीरी ॥ वीडा घेई सो परकरी ॥ हे स ॥ गुरी ॥
 (५१) वेस मज ॥ मस्की ॥ ४३ ॥ चंदन लका चोळा ॥ ले
 ले सणे गाळावी ॥ ये करम या दयाळा ॥ हे
 आला न लावी ॥ ४४ ॥ लो सणे जो करी सन्मा
 न ॥ सणे मासी आसे जाणा ॥ वारिको सणे हे वा
 पा वचन ॥ बो लोन को ॥ ४५ ॥ वुस ॥ क्षालपी
 राहो सी ॥ तु जे वचन सांगसी ॥ ले सी रसा

वंदीना ॥ ४८ ॥ मंगलीजे लावी लापरो मंका ॥
 गळाघाल ललापुरम माळा ॥ साधा तुनी वकुळा ॥
 ७ ॥ अळकांर सेमरल लेववी लो ॥ ४९ ॥ बारिकोसा
 सुरवा नाही मीती ॥ प्रथम प्रजन्म तुरसार पडली ॥
 ते भयोर नृस करीती ॥ आनंदा लेपवोनी ॥ ४८ ॥
 ८ ॥ जन्मो नो आसे दरी दरी ॥ लीये चाहोय कुबेरा ॥ ५० ॥
 ९ ॥ डांरी ॥ लेसी ज्ञानेंदाची परी ॥ बारिकोसी
 जाली ॥ ४९ ॥ ते सातीचा आनंद सुतालवमा वळ
 लादीने दे ॥ सेवा करी उपदे ॥ तौ श्रोता लेका
 वरा ॥ ५० ॥ बारिकोसी ना दि ॥ पुन्हा करी वोख्य

श्रीविक्रमचरीत्रा ॥ १ ॥
 पाका ॥ जोका वहु सधे म ॥ वळवडाचा तुलम ॥ ५१ ॥
 दीपलावो नीबेर वेदा ॥ काढली जाली वळवटा ॥
 ६ ॥ बोट वेद्यु नचोखडा ॥ दुधामधे वेकीयेले ॥ ५२ ॥
 दुकानी दरा वल बैसेला ॥ आसे धवधवीत ॥ मज
 नक्षत्रे याचा आदीत ॥ सपुण विरला आसे ॥ ५३ ॥
 आपण बैसे वरासनी ॥ पाती करपरी क्षितिली सु
 वणनीणी ॥ सेवक गुंभे करजे पुनी ॥ काय आ
 रना रसांगे लक्षणली ॥ ५४ ॥ लवमा वळ लारची ॥
 मंगले पोतडी साटवी ॥ पुजवोनी दीपदीवी ॥ गृह

रुनीये लाजा हा ला ॥ ८५ ॥ फेडुनी या राज वस्त्रो ॥ प
रीधान के लीपे वीने ॥ करन तु ध्यज च मननाते ॥ ये
(उनी बैसे रावया जवळी ॥ ८६ ॥ रावा हणे उदा भोज
न करा ॥ दराचें त करी न गह थोर ॥ येवढा जा लास
व सार ॥ परीती नेणो दीभुकरा ७ ॥ ऐकजे जे आ ७
चरण करावे ॥ लेले काकी भोगावे ॥ ही धत्ता वेगळे
न पावे ॥ ब्रह्मादिका जाणा ॥ ८८ ॥ आला गुट्टरी ला
गे जन कर श्रय पोसा ॥ तच सुवर्ण लाटी वाढी ती हे
या ॥ क्षीरं उत्तम ॥ ८९ ॥ येरी चाढी लीपा पड सांड्या ॥
रान्ही लोंडा या वया ॥ नीबो आली याची या ॥ त
वण राखवा परचडी ॥ ९० ॥ ऐसी जेवणा जाती भु
ष्टी ॥ अंत्य बोनी बीडे दोली ॥ करि काही कुटी
री ॥ ९१ ॥ आरुआ रीवा यत्नी ॥ ९२ ॥ तीचे जेवण जा
लीया वरीगर ॥ वालुणे दादलाची सेज करो ॥ ९३
पेन्नी या वोवरी ॥ करी वो जपे ॥ ९४ ॥ घाली थो
र उंच पलंग ॥ वरी पासो डाघा ट्री सुरग ॥ बुका
के स्तुरी न नारंग ॥ सुमने थरो वरी द्या लयी ॥ ९५ ॥
सेज के लीय थाचा जा ॥ रावा हणे दादा जा मुनीनी
जा ॥ श्री महारे लुसो ॥ दीवसा कष्ट ला भार सी ॥
९६ ॥ लो जा मुनी निद्रा करी ॥ वारिस हणे लुही जा मुनी

६५३ करीबी डाधे गुनी सेजारी ॥ वानी हाकरावी ॥
 ६५४ राययाची आरना समर्थी सेचा जण पोनी लोबं
 ६५५ कहेला ज्ञाना गुप भोग ॥ ओगील ॥ मन्त्र आतं चि ॥
 ६५६ ऐसी सरली तेवे जा ॥ तव नौरी च ॥ आंल पुता ॥
 ६५७ आराण उदयो जाली चेक ॥ पुटी ला दरायें ॥ ६५८ ॥
 ६५९ राधु करवी आलः रत्ना ना ॥ करुनी संध्या तर्पण ॥ व
 ६६० रत्न करानी परीधान ॥ दुका ना सी गेल ॥ ६६१ ॥ वार
 ६६२ के ॥ उरो न लेच वेगी ॥ हाक दीवें नोया करागी ॥ गु
 ६६३ टीले मुरय कमळ ॥ ६६४ ॥ आणी वंर जे परीधान चो
 ६६५ वी ॥ कुं कुं मर रचोले नी लाकी ॥ शिंगर करानी वध्या

६६६ गुळी ॥ करीबी ॥ वीथारणी ॥ ७०१ ॥ राधो बेसवी भु
 ६६७ मी ॥ जण जवळी ॥ कथा प्रसंगी ॥ कमीली वेळा ॥ प्रथ
 ६६८ म प्रहर जाला सुसी ॥ ७०२ ॥ आला श्रय पाक करी जा
 ६६९ य ॥ ७०३ ॥ येरी करी सीध श्रय पाक ॥ दरा वलासी
 ६७० बेला गुपाट वीले शेवक ॥ तो ये गुनी लाका वीक ॥
 ६७१ आरागणा रारी ती श्रय पत्ती रावय ॥ ७०४ ॥ तो
 ६७२ दीवस कमी लायधा वीधी जाली कीली येक
 ६७३ दीवाचा ॥ वधी ॥ पुराणी कवी चारी ला होय द
 ६७४ धी ॥ आणवी ला होय वी क्रम ॥ ७०५ ॥ ते दीवसी
 ६७५ केले पुराण भक्ता ॥ तव पाक सीध करी भोजन ॥

मग करीचे वसारीक कारण॥ ऐसा प्रतीदीनी
 तो जी मार्गी॥ ७४॥ कर्म लाये कमास॥ जन ऐकली
 करी ती धोरा॥ दरा वंता मनी हुहास॥ दोन ध
 मी लिस॥ ७५॥ रावण पे दरा वंता स॥ मज ये
 जी जा लाये कमास॥ काय रूध्दा जा ती संगे॥ ७६॥
 ७॥ गणी ल मुद ल द्वा री॥ ते रवा पा हो नी व ह्या सी
 ते न मो ला वी मी की सी॥ च लु छु णि कर वे॥ ७७॥
 दरा वंता मनी भर ला आ नंद॥ मण राध वा हा तु
 री प्र सा द॥ करी ला जा ला अनु वा द॥ लु का पु
 रु रा च्या॥ ७८॥ दरा वंता मनी उ नाली हा स॥ ७९॥

श्रीची कर्म चरीत्र प्रपंच
 समवेत करी लुका पुराण॥ तो प्रकाश ला की ती धो
 रा॥ देसा प्रती गहन॥ ७९॥ करी सी नी ल ब्रह्म
 संतर्पणी॥ हारी भक्ती चे दा रि द्वा ती न॥ आ ती
 या य स्य के द दान मान॥ हारी की र्ती नी ल स॥ ८०॥
 ऐसी लया ना दत॥ पुढे कै सी वर्त ती कथा॥ ते
 परी सा वी आ ला॥ रच स ची त दे उ नी॥ ८१॥ ल
 या न ग रा भी तरी॥ का र ना ना वे नृ त्य करी॥ व
 री सो नी दरा वंता ची धो री॥ नृ त्या ये उ ला ग ती॥
 ८२॥ ऐ का की नी ये के दी व सी॥ रा श्री हे र ची ले

श्रवणासीगा ॥ १ ॥ दुरावत भोगील आसें आपणा
सीहें से आजी देरवीले ॥ ८३ ॥ मग गुगवलादी
नकरे ॥ सभे आली बोला सारा ॥ दुरावलासी
हणे तुज मजये काकार ॥ आजी रात्री सयोग जा
ले ॥ ८४ ॥ तरी मज द्या वेस वाळ १ ॥ भोग १०
भोगीला प्रत्यक्ष ॥ न करीला चयन आलक्ष ॥
आणवा वेदव्यासी ॥ ८५ ॥ तैसें तैकोनी वचना ॥
कंटाळले दुरावलाचे मन ॥ केवी राम राम स्म
रण ॥ मुरवी द्याली पाणी ॥ आंगोली काना ॥
८६ ॥ लोखे सभास ॥ उलीका ॥ काय बोलले
न आरिका ॥ जीवीना हीरा का ॥ पातक बो
लला जो केसी ॥ ८७ ॥ रघु राजा ॥ नुजामाता ॥ आ
गुष्टा करीलं कनाथा ॥ चिंथारली राम सीता ॥
तैसें आत्मा करा आली ॥ ८८ ॥ आपुली येम
नीची कलेना ॥ तेश्वरी प्रक्षमाना ॥ तैसें क
लुनीयामना ॥ काम भरावी कासी ॥ ८९ ॥ तैको
नी दुरावत वचना ॥ आत्मांत भावी करणा ॥
जरी न करीसी द्रव्य गणना ॥ तरी करीन येरवा
हा आनंथी ॥ ९० ॥ गायक हो परदेसी ॥ तैसेंची

माधुनी का सनेरी ॥ द्रव्य देर जे रसी ॥ हृषी
 ॥ ये ला गुनी ॥ ९१ ॥ ते मान ले दरावें तासी ॥ शैव
 काहाली आणवी द्रव्यासी ॥ तव आठ वलाभा
 ॥ नसी ॥ रामासी पुसी ले नाही ॥ ९२ ॥ रावा होला ॥ ९३ ॥
 महा भीतरी ॥ तो आणवी लांस भेमा सारी ॥
 तया पुढे रचीरतारी ॥ कासने सीतले सां
 गींतली ॥ ९४ ॥ रावा बोले प्रपोतरा ॥ हृषी स
 भानायक आली थोर धोर ॥ जो ले संगली वी
 च्छारा ॥ ते धुज के सावरा सला ॥ ९५ ॥ श्री हनुक ये
 रुवा दावत्र मला ॥ तो मंगी निद्रा कल्प ॥ थी ॥ ते सा
 ॥ ९६ ॥ श्री विष्णु मया ॥ ५ ॥ ९७ ॥
 कैरी नना राया च ॥ ते स कोलीये के दीवस कर्म
 लीया ॥ रात रंगा वजाली दरावलाची भायी ॥ ते
 ॥ ९८ ॥ होनीया राया ॥ काय करी लीज हाती ॥ ९९ ॥
 रात्री जाली दोन प्रहरा ॥ नीद्रा भुल लोक समग्र ॥
 आपण ये उनील करपण ॥ कवळ धाली मदी
 रावरी ॥ १०० ॥ वरी होले नृध्वं दार ॥ हा लुच उतर
 ती ते नृत्य कर ॥ दरावें लनिद्रि ॥ भुल थोर ॥ आप
 ण मंच की बैसली ॥ १०१ ॥ कोणी नाही जाग्रत ॥
 दासी नृत्य नीद्रा ॥ १०२ ॥ समस्ता ॥ श्री जासे सलो क ॥

दूसरे मंदेरी आसे ॥ १०७ ॥ ते वैरो नीय तेथो ॥
 हा लुहा लुचरण चुरोत ॥ तव ला लाजा मृतपु
 धडी ले मुख कमळा ॥ १०८ ॥ नेत्र कमळ अमो १३
 पोनी पाहात ॥ म्हणे श्री लरी अहिरा लरनात ॥ की
 देरवत आसे थप्प आवरछा ॥ मागली पाघरा
 पाघे भुरवाचरी ॥ १०९ ॥ येरी म्हणे जी होरि जाग
 त ॥ स्वप्न न केसी कासना पात्र ॥ वीडा घेई दि
 ईरात ॥ न लवी लाता वील वग ॥ ११० ॥ हाराब्ध
 ले कोनी उठला ॥ हा डबडो वी ॥ म्हणे द्रव्य सवा
 ल क्षये उठा ॥ तुवा येथनी बहु डोये ॥ १११ ॥ म
 ज द्रव्याची नाही चाड ॥ तसे देणें अह उंढा ॥
 भोगी सील दे हा लरी पुरल कोडा ॥ जीवी चेपे जा
 वा ॥ ११२ ॥ जरी पुन करी सी संग ॥ तरी करी न
 जीवी लायगा ॥ आपकी ती चाडगा ॥ येरिल
 जाणनी धरिरी ॥ ११३ ॥ जना वचन वचनी ॥
 दरावत भुलवीला काम बाणी ॥ जैसा मोहनी
 पडी लावे सनी ॥ रखु मंगद पें ॥ ११४ ॥ मग त्या
 दादा जाता सयोग ॥ केला दरावता चाचल मंग ॥
 म्हणे प्रसन्न जालो मंग माग ॥ जो संकेत अहे

१३ जीवीचा ॥ ११५ ॥ हजे तु प्रसने बोली लासी ॥
 वचनी तरी मी मागे नः ॥ गवली यादी नी ॥ ११६ ॥
 के हेरिण गुनो वळी लाकर ॥ ११७ ॥ दुराव ११८
 लजा लाम हन पीसा ॥ हजे जो मागसी तु गुली
 यादिवस ॥ ते मी हेरि मनी मानसा ॥ हिमाक
 घे रिमासी ॥ ११९ ॥ येरी मानसी ज्ञान हलो पक्षे
 चरवी संदीसा धली ॥ उरना घे गुनी नो धाली ॥
 जय उर पुला मंदीरा ॥ १२० ॥ ले गली यावरी ॥
 दुराव त कट कट करी ॥ पश्चात्ताप जी वी धरी ॥
 हजे ज्ञान याय थोर वळ ॥ १२१ ॥ के ले सचो ल

१३४ राव वी चारो मानसी ॥ लजे मागे ज्ञान याय थाका केसी ॥
 मेंदी लारारी रानी ॥ तरी सहासी हाण होईल ॥ १२२ ॥ हे
 साहू वी चार के ल ॥ मरत की करवत धातला ॥ लोक
 रवत गुलरला ॥ मरत क कट पयल ॥ १२३ ॥ हेरवो नी त्याचा
 सख भाव ॥ प्रत्यक्ष उगादार के रावा ॥ रांरव चंक्र चतुर्था
 हो ॥ पी लो वर धारी हेरवीला ॥ १२४ ॥ देव के ले वी परीत ॥
 पेरी लेणे राखी ले ज्ञान पुले सता ॥ ते से तु मज खरी लहे
 ईका सनेसी ॥ १२५ ॥ पाहे या श्री या के काय के लो पोदी
 चे वाळ क ॥ जो जनासी दी धले ॥ दे ये थोर छळी ले पारी
 नर के सहासी ॥ १२६ ॥ ऐसी वहते सख राखीली ॥ सा

ची को ली ला हा लो को बीरता ली ॥ ते आ से श्रवणी
ऐ की ली ॥ पुराण म ते करानी ॥ १८५ ॥ रतु के ये थे ज व जा
हा ले ॥ त व ते वारि को न आ र की ले ॥ देह धरणी वरी य
१९॥ की ले ॥ नीच व हो उनी प डी ये ली ॥ १८६ ॥ ली चे दुख जनु १९॥
चा द ता ॥ शोक वा ट ने द था ॥ आणी पा ला के ले क था ॥ श्र
१५ पु नी न सं गे ची ॥ १८७ ॥ द श वं त स ल्म ने प क्षी राजा ॥
स ल्य करी व च न वो जा ॥ पा च पु त्र हो ली तु ज ॥ त या सी
ना व मा से टे की ॥ १८८ ॥ द श वं त न ॥ ना व च नी बो धी ला ॥
श्र म करनी दे ला ज ला ॥ बो ला उनी का स ने छे ती ॥ १८९ ॥
ली ने धे उनी आ नं ६ १ व री त ॥ ज ल न ॥ से वा ल ग ल ॥
मा गी चि त्त ॥ म्मा ट प करी प क्षी ल वा चे ॥ १९० ॥ ह्म ने
रे ब र वां स पि उ ला सी म म ज र क वी ले ले दी व सी ॥ ओ
ला का य के से कर सी ॥ से से वो ल त नी धा ली ॥ १९१ ॥ ऐ
सी पा व ली मं दी रा ॥ दा सी बो ला वी पु ढा रा ॥ ती पा
सी सां गे गु त रा ॥ ते ऐ का स के की क ॥ १९२ ॥ ज व मो ये
१५ रा या ची वो ल ग सारी प लो व र क्षु या चा पा क करी ॥ श्र
पु नी त या सी दे उनी ली च्य ॥ करी ॥ आ पण ज ये वो ल
गे सी ॥ १९३ ॥ ते गे ली रा या वो ल गे सी ॥ दा सी ने रा वा
टे वी ला बो स री सी ॥ आ पण गे ली भी ल री ग र हा सी सु
री आ णा व य ॥ १९४ ॥ ज व धे उनी या सु री ॥ ल य वी क
म वे ला ला ये स्म रण करी ॥ ते हो गु ड ची ला स ड करी ॥
मो क्सी म धे द्या ल ता ॥ १९५ ॥

201

15

सुरीधेनीयाहरीलालवतथनदखेपक्षीयात॥ लह
 जकारनकोपेठभाते॥ मगकायकरीलीभाली॥ १६७॥ धा
 चलगेलीबाजारात॥ पक्षीयेकघेतलावीकल॥ करनी
 पाकसीधुगल॥ वाढपाहेकासनेचो॥ १६८॥ लवभाली॥ २०॥
 जोळगसारनोग॥ सुउकरीवसकीभोजनी॥ मीटक्यादेश
 वाक्षणेगहणेवरासाधीलाजा॥ श्रीमान॥ १६९॥ तेआलेग
 जाकरीत॥ रावालेधुनीकदलता॥ मणेदेवआहेसमर्थी
 हाउरपणवरघेरनी॥ १७०॥ मरेवोताकाचेचरण॥ सुद
 वाचेकेलध्यान॥ पक्षाकुरलेगहन॥ मगलेधुनीगुजली॥ १७१॥
 पाहेलक्षव्याहाकुनी॥ लवनगरावाहेरकाकीकेचेस्थान॥
 उगरेसलीन॥ नावदरसरोवर॥ वीरसीजीलेथेयेनीबैसला॥
 १७२॥ हेरस्थकीआलानीरला॥ पुढेकेसीवलीलीकथा॥ लेसांगची
 १७३॥ १७४॥ १७५॥ १७६॥ १७७॥ १७८॥ १७९॥ १८०॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com